प्रेस नोट

शिव नवरात्रि में 36 लाख रुपये दानपेटियों से प्राप्त

उज्जैन 25 फरवरी। श्री महाकालेश्वर मन्दिर में शिव नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में दूर-दराज से श्रद्धालुओं ने महाकाल में आकर दर्शन लाभ लिया। इस दौरान श्रद्धालुओं के द्वारा दान पेटियों में स्वेच्छा से दान भी किया। शिव नवरात्रि के दौरान 13 फरवरी से 23 फरवरी तक गर्भगृह, नन्दी हाल से रैम्प तक रखी दानपेटियों में श्रद्धालुओं ने दान किया। गुरूवार 13 से 23 फरवरी तक 36 लाख एक हजार 552 रुपये दानपेटियों से मन्दिर प्रबंध समिति को प्राप्त हुए।

मन्दिर प्रबंध समिति के प्रशासक एवं अपर कलेक्टर श्री एसएस रावत ने यह जानकारी देते हुए बताया कि गुरूवार 13 फरवरी को दानपेटियों की गणना में दो लाख 60 हजार 962, शुक्रवार 14 फरवरी को गणना के दौरान पांच लाख 60 हजार 617, शनिवार 15 फरवरी को तीन लाख 24 हजार 196, सोमवार 17 फरवरी को चार लाख 43 हजार 183, मंगलवार 18 फरवरी को तीन लाख 84 हजार 644, बुधवार 19 फरवरी को तीन लाख 36 हजार 910, गुरूवार 20 फरवरी को तीन लाख 27 हजार 577 तथा रविवार 23 फरवरी की दानपेटियों की गणना 24 फरवरी को की गई, इसमें नौ लाख 63 हजार 463 रुपये गणना के दौरान राशि प्राप्त हुई। इस प्रकार 13 फरवरी से 23 फरवरी तक की दानपेटियों की गणना में 36 लाख एक हजार 552 रुपये मन्दिर प्रबंध समिति को दान में प्राप्त हुए।

क्रमांक - 97 **एस. कुमार उज्जैनिया/ चित्रा काले**

भगवान महाकाल ने पंच मुखारविंद में दिये दर्शन

उज्जैन 25 फरवरी। शिव नवरात्रि में श्री महाकालेश्वर मन्दिर में विराजमान भगवान महाकाल ने नौ दिन तक अलग-अलग रूपों में श्रद्धालुओं को दर्शन दिये। भगवान महाकाल फाल्गुन शुक्ल द्वितीया (चन्द्रदर्शन) मंगलवार 25 फरवरी को पंच मुखारविंद में दर्शन दिये। भगवान महाकाल पंच मुखरविंद में एकसाथ श्री मनमहेश, शिवतांडव, होल्कर, छबिना एवं उमामहेश मुखौटे के रूप में अपने भक्तों को दर्शन दिये। पंच मुखारविंद दर्शन के पूर्व भगवान महाकाल की शाम 5 बजे का पूजन अपराह्न 3 बजे हुआ। तत्पश्चात भगवान श्री महाकाल ने भक्तों को पांच स्वरूपों में श्रृंगारित होकर दर्शन दिये। उल्लेखनीय है कि महाशिवरात्रि के पश्चात वर्ष में एक बार ही ऐसा अवसर आता है, जब एक साथ भगवान महाकाल पांच मुखौटों में दर्शन देते हैं।

(फोटो संलग्न)

क्रमांक - 98 **एस. कुमार उज्जैनिया/ चित्रा काले**